संधि

संधि - अर्थ एवं भेद

सामान्य भाषा में वर्णों के मेल को संधि कहते हैं।

पूर्वपद के अंतिम वर्ण तथा उत्तरपद के प्रथम वर्ण को मिलाने पर जो विकार होता है, उसे संधि कहते हैं।

जैसे:

विद्यालय – 'विद्या + आलय'

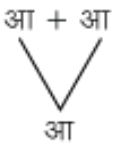

संस्कृत भाषा में तीन प्रकार की संधि होती हैं:

(1) स्वर संधि

(2) व्यञ्जन संधि

(3) विसर्ग संधि

यहाँ हम आपको स्वर संधि के बारे में बताएंगे। अन्य संधिओं के बारे में आप आगे की कक्षाओं में पढ़ेंगे।

1. स्वर संधि

जब दो स्वर वर्णों के संयोग से परिवर्तन हो, तो उसे हम स्वर संधि कहते हैं।

जैसे:

सुर + इन्द्र + सुरेन्द्र

स्वर सन्धि को भी हम विभिन्न भागों में वर्गीकृत कर सकते हैं।

(क) दीर्घ संधि

(ख) यण् संधि

(ग) गुण संधि

(घ) वृद्धि संधि

(ङ) अयादि संधि

(क) दीर्घ संधि

"अक: सवर्णे दीर्घ"

अर्थात्, अ, इ, उ, ऋ, लृ के बाद यदि कोई सवर्ण (अर्थात इनके जैसा ही कोई वर्ण) आ जाए तो उसके स्थान पर दीर्घ अक्षर आ जाता है।

अ + अ = आ

अ + आ = आ

आ + अ = आ

आ + आ = आ

इसी प्रकार 'इ' से 'ई', 'उ' से 'ऊ', 'ऋ' से 'ॠ' तथा 'लृ' से 'ॡ' बनता है।

धर्म + अर्थ: = धर्मार्थ:

अ + अ = 'आ'

देव + आलय: = देवालय:

अ + आ = आ

सिंधु + ऊर्मि: = सिंधूर्मि:

उ + ऊ = 'ऊ'

कपि + ईश: = कपीश:

इ + ई = ई

पितृ + ऋणम् = पितृण्णम

ऋ + ऋ = 'ॠ'

(ख) यण् सन्धि

"इको यणिचि"

अर्थात्, 'इक' (इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ऌ) को 'यण' (य, व, र, ल्) आदेश हो जाता है।

इसे ऐसे भी दर्शाया जा सकता है:

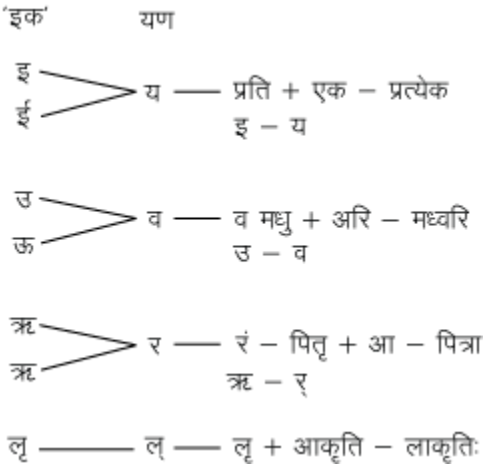

(ग) गुण सन्धि

"आद् गुणः"

अर्थात 'अ' या 'आ' के बाद 'इ', 'ई' होने पर 'ए' (गुण) आदेश होगा। तथा 'अ' या 'आ' के बाद 'उ' या 'ऊ' होने पर दोनों को 'ओ' गुण होगा।

'अ' या 'आ' के बाद 'ऋ' होने पर दोनों को 'अर्' आदेश होगा।

'अ' या 'आ' के बाद 'ऌ' होने पर दोनों को 'अल्' आदेश होगा।

अ/आ + ई = ए

महा + ईशः = महेशः

अ + उ = ओ

हित + उपदेश: = हितोपदेश:

अ + ऋ = अर

ब्रहम + ऋषि: = ब्रह्मर्षि:

अ + ऌ = अल्

तव + ऌकार = तवल्कार

(घ) वृद्धि सन्धि

'**वृद्धिरेचि**'

अर्थात्, 'अ/आ' के बाद 'ए/ऐ' आने पर तथा 'अ/आ' के बाद 'ओ/औ' आने पर दोनों को 'औ' (**वृद्धि**) आदेश हो जाएगा।

जैसे:

अत्र + एव: = अत्रैव:

न + एतत् = नैतत्

जल + ओघ: = जलौघ:

(ङ) अयादि सन्धि

"एचोऽयवायाव:" – ए, ऐ, ओ, औ वर्ण के बाद कोई भी स्वर आए तो उसके स्थान पर

अर्थात्,

'एच' को क्रम से 'अय', 'अव्', 'आय' तथा 'आव' आदेश हो जाता है।

ए = अय

ओ = अव

ऐ = आय

औ = आव

जैसे:

हरे + ए = हरये

भो + अनम् = भवनम्
गै + अति = गायति

भौ + अक: = भावक:

इसी प्रकार आप अन्य शब्दों में संधि कीजिए। तथा, अपनी पाठ्य पुस्तक में लिखे जटिल शब्दों को अलग-अलग करके संधि को पहचानने का प्रयास कीजिए।